

>

Title: Regarding mismanagement in Amarnath Yatra.

योगी आदित्यनाथ : अध्यक्ष मठोदया, मैं आपका ध्यान जमू-क़श्मीर के अंदर अमरनाथ की पवित्र यात्रा की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। गुरु-पूर्णिमा से लेकर श्रावण-पूर्णिमा तक एक माह की यात्रा चलती है। देश और विदेश से भी हिंदू बड़ी पवित्र भावना के साथ अमरनाथ की यात्रा में भाग लेते हैं। लोकिन यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि जब यह यात्रा शुरू होती है तो उससे पहले जमू-क़श्मीर के अंदर उपद्रव शुरू हो जाते हैं और उन यात्रियों के सामने गंभीर संकट पैदा हो जाता है।

अध्यक्ष मठोदया : आपने दूरसे विषय के लिए नोटिस दिया था।

योगी आदित्यनाथ : मठोदया, मैंने जीरो-आवर का नोटिस दिया था, मैं जीरो-आवर में बोल रहा हूं और मेरा एडजोर्नमेंट पर नोटिस था, आपने बुलावाया नहीं, अब मैं जीरो-आवर में बोल रहा हूं।

अध्यक्ष मठोदया : आप डेंगू विषय पर बोलिए।

योगी आदित्यनाथ : मठोदया, दोनों विषय महत्वपूर्ण हैं। आप मुझे दोनों विषयों पर बोलने दीजिए।

अध्यक्ष मठोदया : ऐसा नहीं हो सकता है। आपने जिस विषय का नोटिस दिया है, उसी विषय पर बोलिए।

योगी आदित्यनाथ : मठोदया, अमरनाथ की यात्रा पर किसी सदस्य ने नहीं बोला है। वह यात्रा मात्र 24 अवस्थ तक है और वहां जो दुर्व्यवस्था है, उसकी तरफ साठन और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

अध्यक्ष मठोदया : धन्यवाद। अब आप बैठ जाएं।

श्री रामकिशन।

योगी आदित्यनाथ : मठोदया, मुझे अति लोकमहत्व के विषय पर बोलने नहीं दिया गया, मैं इसका विशेष करते हुए वाक-आउट करता हूं।

13.16 hrs

At this stage, Shri Yogi Aditya Nath left the House